CHBC–101

आयुर्वेद एवं सौन्दर्य वर्णन

Certificate in Herbal Beauty Care (CHBC–12)

Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 40**

नोट : यह प्रश्न पत्र चालीस (40) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए साढ़े नौ ($9\frac{1}{2}$) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. त्रिदोषों का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए तथा रसों का दोषों पर प्रभाव स्पष्ट कीजिए।
2. धातुएँ कितने प्रकार की हैं ? स्पष्ट करते हुए इनकी वृद्धि एवं ह्रास का वर्णन कीजिए।
3. आयुर्वेदीय स्वस्थवृत्त का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) त्रय उपस्तम्भ
   (ब) हँसोदक
   (स) ऋतुसन्धि

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए चार (04) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋतुचर्या पर प्रकाश डालिए।
2. सद्वृत्त का वर्णन कीजिए।
3. उपवास के महत्व पर प्रकाश डालिए।
4. प्रसाधन सामग्री का वर्णन कीजिए।
5. निम्नलिखित को स्पष्ट कीजिए :
   (अ) औषध सेवन काल
   (ब) नीली कर्म (Hair Dyeing)
   (स) वसन्त ऋतु
6. ऋतुओं के अनुसार दोषों का संचयप्रकोप- प्रशमन स्पष्ट कीजिए।
7. वात, पित्त एवं कफ के भेदों का वर्णन कीजिए।
8. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (अ) देश, काल, औषध
   (ब) प्रकृति

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आधा $\left(\frac{1}{2}\right)$ अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर चुनिए :

1. प्रसाधन में लाल रंग के लिए प्रयुक्त करते हैं :
   (अ) सुगन्धि तेल
   (ब) लाक्षारस
   (स) अगुरू
   (द) उपर्युक्त सभी

2. शुक्र धातु का निर्माण होता है :
   (अ) माँस से
   (ब) मेद से
   (स) अस्थि से
   (द) मज्जा से

3. व्यायाम का निषेध है :
   (अ) बालक
   (ब) वृद्ध
   (स) वातपित्त रोगी
   (द) उपर्युक्त सभी में

4. स्नान के अयोग्य है :
   (अ) अर्दित से पीड़ित
   (ब) नेत्र रोग से पीड़ित
   (स) अतिसार से पीड़ित
   (द) उपर्युक्त सभी

5. ऋतुहरीतकी के बारे में बताया है :
   (अ) चरक ने
   (ब) सुश्रुत ने
   (स) भाव प्रकाश ने
   (द) माधव ने

सत्य/असत्य बताइये :

6. वात, पित्त एवं कफ त्रिस्तम्भ हैं। (सत्य/असत्य)
7. वर्षा ऋतु में पित्त का संचय होता है। (सत्य/असत्य)
8. चंक्रमण लघु व्यायाम है। (सत्य/असत्य)
9. वात दोष से पीड़ित रोगी में अभ्यंग का निषेध है। (सत्य/असत्य)
10. प्रतिसारण (मंजन) 3 प्रकार का होता है। (सत्य/असत्य)